

**(आधार पाठ्यक्रम)**

## आधार पाठ्यक्रम: प्रथम प्रश्न पत्र - हिन्दी भाषा

|   |  | (भाग-ए) परिचय |                |
|---|--|---------------|----------------|
| कार्यक्रम : यूजी लेवल<br>प्रमाण-पत्र              | कक्षा : बी.ए. / बी.कॉम / बी.एससी.<br>/ बी.एच.एससी. / बी.सी.ए / बी.बी.ए<br>(प्रथम वर्ष)   | वर्ग 2021     | गत्र 2021 2022 |
| विषय :-   | आधार पाठ्यक्रम   |               |                |
| 1 कोर्स कोड:                                      | XI-FCEAIT  |               |                |
| 2 कोर्स का शीर्षक:                                | भाषा और संस्कृति   |               |                |
| 3 कोर्स का प्रकार                                 | आधार पाठ्यक्रम   |               |                |
| 4 कोर्स अपेक्षित                                  | कक्षा 12वीं उत्तीर्ण किसी भी विषय<br>समूह से।  |               |                |
| 5 कोर्स अधिगम उपलब्धि<br>(लर्निंग आउटकम)<br>(CLO) | 1. उत्कृष्ट साहित्यिक पाठों के<br>अध्ययन से रुचि का विकास करना।<br>2. सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय<br>भावना का विकास करना।<br>3. भाषा-ज्ञान।<br>4. सामान्य शब्दावली और विशेष<br>शब्दावली के अध्ययन द्वारा भाषा एवं<br>संस्कृति बोध का विकास करना<br>5. विशिष्ट शब्दावली (बीज शब्द / की<br>वर्ड) से परिचित करवाते हुए बोध के<br>स्तर को विकसित करना।<br>6. प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तैयार<br>करना। |               |                |
| 6 क्रेडिट मान                                     | 02 क्रेडिट   |               |                |
| 7 कुल अंक   | 50 अंक   |               |                |
| 8 उत्तीर्ण अंक                                    | 17 अंक   |               |                |

७/१२२१

(भाग - बी) कोर्स सागथ्री

व्याख्यान की कुल संख्या : वर्ष में अधिकतम 15 घंटे

| यूनिट                                   | विषय  | व्याख्यान की संख्या |
|---|---|---------------------|
| इकाई- एक                                |   |                     |
|   | 1. मैथिलीशरण गुप्त: परिचय<br>पाठ: मातृभूमि (कविता)                              | 5 घण्टे             |
|   | 2. प्रेमचन्द: परिचय<br>पाठ: शतरंज के खिलाडी (कहानी)                             |                     |
|   | 3. व्यंग्य: शरद जोशी-जीप पर सवार इल्लियॉ  |                     |
| इकाई- दो                                |   |                     |
|   | 1. वैचारिक-भारतीय भाषाओं में राम  | 5 घण्टे             |
|   | 2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: परिचय<br>पाठ: उत्साह (भावमूलक निबन्ध )               |                     |
|   | 3. रामधारी सिंह दिनकर: परिचय<br>पाठ: भारत एक है (संस्कृति )                     |                     |
|   | 4. आदिशंकराचार्य-जीवन व दर्शन   |                     |
| इकाई- तीन                               |   |                     |
|   | 1. पर्यायवाची शब्द; विलोम शब्द;<br>अनेक शब्द के लिए एक शब्द<br>(हिन्दी व्याकरण) | 5 घण्टे             |
|   | 2. संधि और उसके प्रकार (हिन्दी व्याकरण)   |                     |
|   | 3. बीज शब्द- धर्म, अद्वैत, भाषा,<br>अवधारणा, उदारीकरण।                          |                     |
| सार बिन्दु (की वर्ड) / टैग<br>सर्च करे: |   |                     |
| मैथिलीशरण गुप्त:                        | मैथिलीशरण गुप्त की कविता मातृभूमि   |                     |
| प्रेमचंद                                | प्रेमचंद शतरंज के खिलाडी  |                     |
| रामधारी सिंह दिनकर                      | भारत एक है रामधारी सिंह दिनकर   |                     |

9/11/21

|                             |                               |
|-----------------------------|-------------------------------|
| आचार्य रामचन्द्र शुक्ल      | उत्साह निबन्ध रामचन्द्र शुक्ल |
| रामगो विवेकानन्द            | शिकामो व्याख्यान              |
| धर्म क्या है                |                               |
| अद्वैत                      |                               |
| भाषा विकास                  |                               |
| भाषा परिभाषा                |                               |
| अवधारणा का अर्थ एवं परिभाषा |                               |
| उदासीकरण की विशेषता         |                               |
| पर्यायवाची शब्द             |                               |
| दिलोम शब्द                  |                               |
| अनेक शब्द के लिए एक शब्द    |                               |
| सधि                         |                               |

|  |  |
|--|--|
| (भाग सी)                                     |  |
| अनुशासित अध्ययन संसाधन                       |  |
| पाठ्य पुस्तके, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन |  |
| 1  | प्रेमचन्द- मानसरोवर, खण्ड:3  |
| 2  | आचार्य रामचन्द्र शुक्ल- चिन्तामणि, भाग 1   |
| 3  | डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद: आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, भारती भवन, ठाकुर बाड़ी रोड, पटना, बिहार |
| 4  | डॉ. राजेश्वर चतुर्वेदी, हिन्दी व्याकरण- उपकार प्रकाशन, आगरा उ.प्र.                               |
| 5  |  |
| 6  | हिन्दी ज्ञान कोश   |
| 7  | इन्टर नेट सामग्री- टैग में उल्लेखित  |

|          |  |
|----------|--|
| (भाग डी) |  |
| निरंक    |  |

प्रो. प्रमोद चन्द्र  
 हिन्दी अध्यापक शिवालय-  
 वि. वि. वि. उत्तरांचल (म'उ)

| <b>PART A: Introduction</b>   |  |   |                          |
|---|--|---|--------------------------|
| Program: UG Level   | Class: I Year  | Year: 2021-22   | Session: 2021-22 onwards |
| <b>Subject: Foundation Course (English)</b>                           |  |   |                          |
| 1.  | Course Code  | X1-FCHBIT   |                          |
| 2.  | Course Title   | English Language and Indian Culture   |                          |
| 3.  | Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/ Vocational)  | <b>Foundation Course</b>  |                          |
| 4.  | Pre-Requisite (if any)   | To study this course, a student should have basic knowledge of English language. This course will be studied by all the students of UG level under the Foundation Course category.  |                          |
| 5.  | Course Learning Outcomes (CLO)   | Through this course the students will be able to:<br>1. Prepare for various competitive exams by developing their English language competence.<br>2. Promote their comprehension skills by being exposed to a variety of texts and their interpretations.<br>3. Build and enhance their vocabulary.<br>4. Develop their communication skills by strengthening grammar and usages.<br>5. Inculcate values which make them aware of national heritage and environmental issues, making them responsible citizens. |                          |
| 6.  | Credit Value   | <b>2</b> Credit   |                          |
| 7.  | Total Marks  | Max. Marks: 50  | Min. Pass Marks:17       |
| <b>PART B: Content of the Course</b>                                  |  |   |                          |
| Total No. of Lectures-Tutorials- Practical (in hours per week): L-T-P |  |   |                          |
| Total No. of Lectures:  |  |   |                          |
| Unit  | Topics   |   | No. of Lectures          |
| I   | <b>Reading, Writing and Interpretation Skills:</b><br>1. Where The Mind is Without Fear– Rabindranath Tagore [ <b>Key Word: Patriotism</b> ]<br>2. National Education – M. K. Gandhi [ <b>Key Word: Edification</b> ]<br>3. The Axe- R.K Narayan [ <b>Key Word: Environment</b> ]<br>4. The Wonder That Was India- A.L Basham (an excerpt) [ <b>Key Word: Indianness</b> ]<br>5. Preface to the Mahabharata C. Rajagopalachari [ <b>Key Word: Indian Mythology</b> ] |   | 05                       |
| II  | <b>Comprehension Skill:</b><br>Unseen Passage followed by Multiple choice questions  |   | 05                       |
| III   | Basic Language Skills 1: Vocabulary Building: Suffix, Prefix, Synonyms, Antonyms, Homophones, Homonyms and One-word substitution.<br>2: Basic Grammar: Noun, Pronoun, Adjective, Verb, Adverb, Prepositions, Articles,   |   | 05                       |

Time and Tense

**PART C: Learning Resources**

Textbooks, Reference Books, Other Resources

**Suggested Readings**

- Essential English Grammar – Raymond Murphy, Cambridge University Press.
- Practical English Grammar Exercises 1- A. J. Thomson & A. V. Martinet, Oxford India.
- Practical English Usage - Michael Swan, Oxford
- English Grammar in Use – Raymond Murphy, Cambridge University Press.

**Part D: Assessment and Evaluation**

|                          |                      |                             |                     |
|--------------------------|----------------------|-----------------------------|---------------------|
| <b>Max Marks:</b><br>50  | <b>Min Marks:</b> 17 | <b>University Exam (UE)</b> | <b>Total:</b><br>50 |
| <b>U.E. Time 2 Hours</b> |                      |                             |                     |

|  |   |                      |  |
|--|---|----------------------|--|
|  | <b>External Assessment (UE)</b>   | <b>Time: 2 Hours</b> |  |
|  | <b>Fifty Multiple Choice /Objective/True-False type questions to be asked. Each question carries one mark</b> |                      |  |


*Dr. A.S. Kushwah*  
21.5.21

Dr. A.S. Kushwah  
Chairman BOS Jiwaji University, Gwalior

*31/05/21*  
**प्राचार्य**  
शा.एस.एल.पी. स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
मुरार, ग्वालियर

## Foundation Course: ENVIRONMENTAL EDUCATION

| PART A: Introduction             |   |  |                          |
|----------------------------------|---|--|--------------------------|
| Program: UG Level Certificate    | Class: UG I Year  | Year: <del>FIRST</del><br>year   | Session: 2021-22 onwards |
| Subject: Environmental Education |   |  |                          |
| 1.                               | Course Code   | X1-FCAC1T  |                          |
| 2.                               | Course Title  | Environmental Education  |                          |
| 3.                               | Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/ Vocational) | Foundation Course  |                          |
| 4.                               | Pre-Requisite (if any)  | <p>A course intended to create awareness about the life of human beings which is an integral part of environment; and to inculcate the skills required to protect the environment from all sides.</p> <p>To study this course, the student must have a knowledge about the environmental components, pollution, biodiversity, and ecosystem at senior secondary, class 12<sup>th</sup> level:</p>  |                          |
| 5.                               | Course Learning Outcomes (CLO)                                  | <ol style="list-style-type: none"> <li>1. To understand various aspects of life forms, ecological processes, and the impacts on them by the human during Anthropocene era.</li> <li>2. To build capabilities to identify relevant environmental issues, analyze the various underlying causes, evaluate the practices and policies, and develop framework to make inform decisions.</li> <li>3. To develop empathy for all life forms, awareness, and responsibility towards environmental protection and nature preservation.</li> <li>4. To develop the critical thinking for shaping strategies such as; scientific, social, economic, administrative &amp; legal, environmental protection, conservation of biodiversity, environmental equity and sustainable development.</li> <li>5. To prepare for the competitive exams.</li> </ol> |                          |
| 6.                               | Credit Value  | 2 Credit   |                          |
| 7.                               | Total Marks   | Max.Marks : 50   | Min. Passing Marks:17    |

  
 (डा. अर्चना पंचोली)

**PART B: Content of the Course**


Total No. of Lectures-15 Hrs. (01 hours per week):

Total No. of Lectures: 15

| Unit | Topics   | No. of Lectures |
|------|--|-----------------|
| I    | <b>Environment and Natural Resources:</b> <ul style="list-style-type: none"><li>• Multidisciplinary nature, Scope and Importance of Environment</li><li>• Components of Environment: Atmosphere, Hydrosphere, Lithosphere, and Biosphere.</li><li>• Brief account of Natural Resources and associated problems: Land Resource, Water Resource, Energy Resource</li><li>• Concept of Sustainability and Sustainable Development</li></ul> <b>Keywords: Environment, Forest, Mineral, Food, Land, Water, Energy, Sustainable Development</b>   | 5 Hrs.          |
| II   | <b>Biome, Ecosystem and Biodiversity:</b> <ul style="list-style-type: none"><li>• Major Biomes: Tropical, Temperate, Forest, Grassland, Desert, Tundra, Wetland, Estuarine and Marine</li><li>• Ecosystem: Structure function and types their Preservation &amp; Restoration</li><li>• Biodiversity and its conservation practices.</li></ul> <b>Keywords: Biome, Ecosystem, Biodiversity</b>  | 4 Hrs.          |
| III  | <b>Environmental Pollution, Management and Social Issues:</b> <ul style="list-style-type: none"><li>• Pollution: Types, Control measures, Management and associated problems.</li><li>• Environmental Law and Legislation: Protection and conservation Acts.</li><li>• International Agreement &amp; Programme.</li><li>• Environmental Movements, communication and public awareness programme.</li><li>• National and International organizations related to environment conservation and monitoring.</li><li>• Role of information technology in environment and human health.</li></ul> <b>Keywords: Pollution, Environmental Legislation, Environmental Movement, Environmental programme and organization.</b> | 6 Hrs.          |

Suggested activities: (at least one)

1. Visit to an area to document environmental assets: rivers / forest / flora / fauna.
2. Visit to a local polluted site Urban / Rural/ Industrial / Agricultural
3. Study of simple ecosystem.

  
(*श्री-अर्चना पंचोली*)



## PART C: Learning Resources

### Textbooks, Reference Books, Other Resources

- Singh; J.S., Singh S.P. and Gupta, S.R.; “Ecology; Environment Science and Conservation “,S Chand publishing , New Delhi , (2018)
- Divan, S. and Rosencranz , A. , “Environmental Law and Policy in India :Cases, Material & Status” Oxford University Press , India , (2002) 2<sup>nd</sup> Edition .
- Odum , E.P. , “Fundamentals of Ecology “ , Philadelphia Saundres , (1971)
- Bharucha , Erach , “Environmental studies “ Universities Press India Pvt. Ltd. Hyderabad (2014) (Hindi Edition also available).
- Kaushik, Anubha , Kaushik , C.P. “Perspectives in Environmental Studies “New age International Publishers , (2018), 6<sup>th</sup> Edition .
- Asthana, D. K Asthana Meera, “A Textbook of Environmental Studies”, S. Chand.Publishing, New Delhi, (2007)
- National Digital Library (<https://ndl.iitkgp.ac.in/homestudy/science>)
- Epg- pathshala (<https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/Download>)
- NPTEL (<https://nptel.ac.in/course.html>)
- Coursera (<https://www.coursera.org/search?query=environmental+science&page=1>)
- इराक भरूचा, पर्यावरण अध्ययन, ओरियन्ट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली (2014)
- दयाशंकर त्रिपाठी, पर्यावरण अध्ययन] मोतीलाल बनारसीलाल पब्लिशर्स दिल्ली.(2005)
- रतन जोशी, पर्यावरण अध्ययन, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स.(2018)

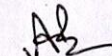
### Suggested equivalent online course –

- i. The Health Effects of Climate Change (edx)
- ii. Climate Change: Financial Risks and Opportunities (edx)
- iii. Introduction to Environmental Law and Policy (coursera)
- iv. Women in environmental biology (coursera)
- v. Our Earth: It’s Climate, History, and Processes (coursera)
- vi. Ecology, physiology, environmental science (national digital library)

Ah  
(डा० अर्चना पंचोली)

भाग . अ परिचय

|   |  |                             |                |
|---|--|-----------------------------|----------------|
| पाठ्यक्रम: स्नातक<br>प्रमाण पत्र                      | कक्षा: स्नातक प्रथम वर्ष   | वर्ष: <del>FIRST</del> year | सत्र:- 2021-22 |
| विषय:-पर्यावरण अध्ययन                                 |  |                             |                |
| 1) पाठ्यक्रम कोड:                                     |  |                             |                |
| 2) पाठ्यक्रम शीर्षक:                                  | पर्यावरण अध्ययन  | X1FCAC1T                    |                |
| 3) पाठ्यक्रम प्रकार:                                  | आधार पाठ्यक्रम   |                             |                |
| 4) पूर्वापेक्षा                                       | <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ सीनियर सैकेण्डरी कक्षा 12 वी तक विद्यार्थी को पर्यावरण के घटक, प्रदूषण, जैव विविधता, पारिस्थितिकी तंत्र का ज्ञान होना आवश्यक हैं।</li> <li>✓ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से अपेक्षा हैं कि विद्यार्थी पर्यावरण के प्रति जागरूकता को दृष्टिगत रखते हुए उसके विभिन्न घटकों का प्रबंधन एवं सतत् विकास की आवश्यकता को ध्यान में रखकर मानव विकास हेतु क्रियाकलाप करे।</li> </ul>  |                             |                |
| 5) पाठ्यक्रम अध्ययन<br>की परिलब्धियां<br><br>(C.L.O.) | <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ इस पाठ्यक्रम के माध्यम से आने वाले मानवजनित युग में विद्यार्थियों में विभिन्न जीवन प्रारूप पारिस्थितिकी प्रक्रियाओं व उन पर होने वाले मानवीय प्रभावों की व्यापक समझ का विकास करना हैं।</li> <li>✓ विद्यार्थियों में ऐसी क्षमताओं का विकास करना हैं जिससे वह पर्यावरण संबंधित मुद्दों को पहचान कर अन्तर्निहित कारकों का विश्लेषण कर सके एवं उनसे संबंधित क्रियाकलाप व नीतियों का मूल्यांकन कर नीतिगत रूपरेखा विकसित करने में सहयोग कर सकेगा।</li> <li>✓ पर्यावरण सुरक्षा व प्रकृति संरक्षण हेतु सभी जीवन प्रारूपों के लिए समानुभूति, जागरूकता एवं उत्तरदायित्वों का बोध कराना।</li> <li>✓ पर्यावरण सुरक्षा, जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण समानता एवं सतत् विकास हेतु वैज्ञानिक, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक व वैधानिक नीतियों को स्वरूप प्रदान करने की महत्वपूर्ण सोच को विकसित करना हैं।</li> <li>✓ विद्यार्थी को प्रतियोगी परीक्षा के लिए तैयार करना</li> </ul> |                             |                |
| क्रेडिट   | 02 क्रेडिट   |                             |                |
| कुल अंक   | अधिकतम अंक:- 50, न्यूनतम प्राप्तांक - 17   |                             |                |

  
 (डा. अर्चना पंचोली)

| भाग - ब पाठ्यक्रम की विषयवस्तु<br>कुल व्याख्यान - 15 घंटे (1 घंटा प्रति सप्ताह) |  |               |
|---|--|---------------|
| ईकाई  | विषय:  | कुल व्याख्यान |
| I   | <p>पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ पर्यावरण की बहुशास्त्रीय प्रकृति, विषय क्षेत्र एवं महत्व</li> <li>✓ पर्यावरण के घटक वायुमण्डल, जल मण्डल, स्थल मण्डल व जैव मण्डल</li> <li>✓ प्राकृतिक संसाधन एवं संबंधित समस्याएँ का संक्षिप्त विवरण: भूसंसाधन, जल संसाधन, ऊर्जा संसाधन</li> <li>✓ दीर्घकालिक एवं सतत विकास की अवधारणा</li> </ul> <p>कुंजी शब्द: पर्यावरण, वन, खनिज, खाद्य, भू, जल, ऊर्जा एवं सतत् विकास</p>   | 5             |
| II  | <p>बायोम, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जैव विविधता:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ मुख्य बायोम: उष्णकटिबंधीय, शीतोष्ण, वन, घास का मैदान, मरुस्थल, टुण्डरा, आर्द्रभूमि, मुहाना व समुद्री</li> <li>✓ पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना, कार्य एवं प्रकार व इनका संरक्षण तथा पुनः स्थापन</li> <li>✓ जैव विविधता और उसका संरक्षण</li> </ul> <p>कुंजी शब्द: बायोम, पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता</p>   | 5             |
| III   | <p>पर्यावरण प्रदूषण, प्रबंधन एवं सामाजिक मुद्दे:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ प्रदूषण के प्रकार, नियंत्रण के उपाय, प्रबंधन एवं उससे जुड़ी समस्याएँ</li> <li>✓ पर्यावरण कानून एवं अधिनियम: पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण विधान</li> </ul> <p>अन्तर्राष्ट्रीय समझौता एवं कार्यक्रम.</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>✓ पर्यावरण आंदोलन, संचार एवं जनजागरूकता कार्यक्रम</li> <li>✓ पर्यावरण संरक्षण एवं नियंत्रण से संबंधित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन</li> <li>✓ पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका।</li> </ul> <p>कुंजी शब्द: प्रदूषण, पर्यावरण कानून एवं विधान, पर्यावरण आंदोलन, पर्यावरण कार्यक्रम एवं संगठन</p> | 5             |

AB  
(डा० अर्चना पंचोली)

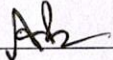
**Part-C**  
**Learning Resource**

Text Book, References Books, Other resources

- Singh; J.S., Singh S.P. and Gupta, S.R.; "Ecology; Environment Science and Conservation ", S Chand publishing , New Delhi , (2018)
- Divan, S. and Rosencranz , A. , "Environmental Law and Policy in India :Cases, Material & Status" Oxford University Press , India , (2002) 2<sup>nd</sup> Edition .
- Odum , E.P. , "Fundamentals of Ecology " , Philadelphia Saundres , (1971)
- Bharucha , Erach , "Environmental studies " Universities Press India Pvt. Ltd. Hyderabad (2014) (Hindi Edition also available).
- Kaushik, Anubha , Kaushik , C.P. "Perspectives in Environmental Studies "New age International Publishers , (2018), 6<sup>th</sup> Edition .
- Asthana, D. K Asthana Meera, "A Textbook of Environmental Studies", S. Chand Publishing, New Delhi, (2007)
- National Digital Library (<https://ndl.iitkgp.ac.in/homestudy/science>)
- Epg- pathshala (<https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/Download>)
- NPTEL (<https://nptel.ac.in/course.html>)
- Coursera (<https://www.coursera.org/search?query=environmental+science&page=1>)
- इराक भरूचा, पर्यावरण अध्ययन, ओरियन्ट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली (2014)
- दयाशंकर त्रिपाठी, पर्यावरण अध्ययन] मोतीलाल बनारसीलाल पब्लिशर्स दिल्ली.(2005)
- रतन जोशी, पर्यावरण अध्ययन, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स.(2018)

**Suggested equivalent online course –**

- i. The Health Effects of Climate Change (edx)
- ii. Climate Change: Financial Risks and Opportunities (edx)
- iii. Introduction to Environmental Law and Policy (coursera)
- iv. Women in environmental biology (coursera)
- v. Our Earth: It's Climate, History, and Processes (coursera)
- vi. Ecology, physiology, environmental science (national digital library)

  
(डा० अर्चना पंचोली)

## Foundation Course: Yoga and Meditation

| <b>Part-A: Introduction</b>                                     |   |   |                        |
|---|---|---|------------------------|
| Program: Certificate course                                     | Class: <u>UG I Year</u>   | Year: 2021  | Session: 2021 – 2022   |
| Subject: Yogic Science  |   |   |                        |
| 1.  | Course Code   | A1-YOSC1F   |                        |
| 2.  | Course Title  | Yoga and Meditation (Paper-2)   |                        |
| 3.  | Course Type   | Foundation Course   |                        |
| 4.  | Pre-requisite (If any)  | For <u>UG I</u> Year students, this course is compulsory for all.   |                        |
| 5.  | Course Learning Outcomes  | After studying this course, students will be able to:<br>• Take care of their own Physical Mental emotional, social and spiritual health. |                        |
| 6.  | Credit Value  | Theory-2  |                        |
| 7.  | Total Marks   | Max. Marks: 50  | Min. Passing Marks: 17 |
| <b>Part-B: Content of the Course</b>                            |   |   |                        |
| Total numbers of Lectures (in hours per week): 2 hours per week |   |   |                        |
| Total Lectures: 30 hours; L – T – P: 2 – 0 – 0                  |   |   |                        |
| Units   | Topics  | No. of Lectures   |                        |
| I   | <b>Introduction to Yoga and Yogic Practices</b><br>1. Yoga: Etymology, definitions, aim, objectives and misconceptions<br>2. Yoga: Its Origin, history and development<br>3. Rules and regulations to be followed by Yoga Practitioners<br>4. Introduction to Yoga practices<br>5. Shatkarma: meaning, purpose and their significance in Yoga Sadhana<br>6. Introduction to Yogic Loosening practices and Surya Namaskar<br><b>Key Words:</b> History and Development of Yoga, Shatkarma, Common Yogic Practices. | 10  |                        |
| II  | <b>Breathing Practices and Pranayama</b><br>1. Sectional Breathing (Abdominal, Thoracic and Clavicular)   | 10  |                        |

|     |   |    |
|-----|---|----|
|     | <p>2.Yogic Deep Breathing</p> <p>3.Concept of Puraka, Rechaka and Kumbhaka</p> <p>4. Concept of Bandha and Mudra</p> <p>5. AnulmoaViloma/NadiShodhana</p> <p>6. Shitali7. Bhramari</p> <p><b>Key Words:</b>Sectional breathing, Deep breathing, Bandha &amp; Mudra, Shitali, Bhramari.</p>        |    |
| III | <p><b>Practices leading to Meditation</b></p> <p>1.Recitation of Pranava Mantra</p> <p>2. Recitation of Hymns, in vocations and prayers</p> <p>3. Anter Maun</p> <p>4. Breath Meditation</p> <p>5. Om Dhyana</p> <p><b>Key Words:</b> Pranav Mantra, Antermaun, Breath Meditation, Om Dhyana.</p> | 10 |

**Part-C: Learning Resources**

Text Books, Reference Books, Other resources

**Suggested Readings:**

1. Singh S. P & Yogi Mukesh: Foundation of Yoga, Standard Publication, New Delhi, 2010.
2. Swami Dharendra Brahmchari: YogasanaVijnana, Dharendra Yoga Publication, New Delhi, 1966.
3. Saraswati, Swami Satyanand: Asana, Pranayama, Mudra, Bandha (APMB), Yoga Publication Trust, Munger, 2013.
4. H. R. Nagendra: Asana, Pranayama, Mudra, Bandha, Swami Vivekananda YogPrakashan, Bangalore, 2002.
5. Ishwar Bhardwaj: SaralYogasana, Satyam Publishing House, New Delhi, 2018.
6. Shri Rai Singh Chouhan: Mudra Rahasya, Bhartiya Yog Sansthan, New Delhi, 2014.
7. Dr. Vishwanath Prasad Sanha: Dhyana Yoga, Bhartiya Yog Sansthan, New Delhi, 1987.
8. Shri Deshraj: Dhyana Sadhana, Bhartiya Yoga Sansthan, New Delhi, 2015.

**Suggestive digital platforms web links:**

1. [www.rishikeshnathyogshala.com](http://www.rishikeshnathyogshala.com)

**Suggested equivalent online courses:**1.<https://sahayji.com/hathayoga-course>

2. <https://theyogainstitute.org/>

### Part D: Assessment and Evaluation

Maximum Marks: 50

University Examination (Objective) 50

Time: **01.00 Hour**

|   |                     |    |
|---|---------------------|----|
| <b>External Assessment:</b><br>University Examination | Objective questions | 50 |
|---|---------------------|----|

|  |              |           |
|--|--------------|-----------|
|  | <b>Total</b> | <b>50</b> |
|--|--------------|-----------|

**Any Remarks/suggestions:**

आधार पाठ्यक्रम :योग एवं ध्यान

| भाग अ - परिचय  |   |   |                          |
|--|---|---|--------------------------|
| प्रोग्राम: सर्टिफिकेट  | कक्षा : स्नातक प्रथम वर्ष   | वर्ष::2021  | सत्र:2021- 2022          |
| विषय:योग विज्ञान   |   |   |                          |
| 1  | पाठ्यक्रम का कोड  | A1-YOSC1F   |                          |
| 2  | पाठ्यक्रम का शीर्षक   | योग एवं ध्यान (प्रश्न पत्र2)  |                          |
| 3  | पाठ्यक्रम का प्रकार   | आधार पाठ्यक्रम  |                          |
| 4  | पूर्वपिक्षा(Prerequisite)<br>(यदि कोई हो)   | स्नातक प्रथम वर्षके छात्रों के लिए आधार पाठ्यक्रम अनिवार्य विषय है।   |                          |
| 5  | पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां(कोर्स लर्निंगआउटकम) (CLO)   | इस पाठ्यक्रम का अध्धयन करने के बाद, छात्र निम्न में सक्षम होंगे:<br>• अपने स्वयं के शारीरिक मानसिक भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के विकास में। |                          |
| 6  | क्रेडिटमान  | 2   |                          |
| 7  | कुल अंक   | अधिकतम अंक: 50  | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 17 |
| भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु  |   |   |                          |
| व्याख्यान की कुल संख्या- (प्रति सप्ताह घंटे में):30 (दो घंटे प्रति सप्ताह)<br>L-T-P: 2 – 0 – 0 |   |   |                          |
| इकाई   | विषय  | व्याख्यान की संख्या   |                          |
| I  | योग और योगिक अभ्यासों का परिचय<br>1. योग: व्युत्पत्ति, परिभाषाएं, उद्देश्य, उद्देश्य और गलत धारणाएं<br>2. योग: इसकी उत्पत्ति, इतिहास और विकास<br>3. योग अभ्यासकर्ताओं द्वारा पालन किए जाने वाले नियम और विनियम<br>4. योग प्रथाओं का परिचय | 10  |                          |



|  |   |    |
|--|---|----|
|  | <p>5. षट्कर्म: योग साधना में अर्थ, उद्देश्य और उनका महत्व</p> <p>6. योगिकशिथलीकरणऔर सूर्य नमस्कार का परिचय</p> <p>सार बिंदु (कीवर्ड): योग का इतिहास और विकास, योग के सिद्धांत और महत्व, सामान्य योगिक अभ्यास।</p>   |    |
| II   | <p>श्वास अभ्यास और प्राणायाम</p> <p>1. अनुभागीय श्वास (पेट, थोरैसिक और क्लैविक्युलर)</p> <p>2. योगिक गहरी श्वास</p> <p>3. पुरक, रेचक और कुंभक की अवधारणा</p> <p>4. बंध और मुद्रा की अवधारणा</p> <p>5. अनुलोम विलोम/नाड़ी शोधन</p> <p>6. शीतलीएवं7. भ्रामरी</p> <p>सार बिंदु (कीवर्ड): पुरक, रेचक और कुंभक, बंध और मुद्रा, प्राणायाम</p> | 10 |
| III  | <p>ध्यानअभ्यास</p> <p>1. प्रणव मंत्र का पाठ</p> <p>2. मंत्रों का पाठ, मंगलाचरण और प्रार्थनाओं में</p> <p>3. अंतर मौन</p> <p>4. श्वास ध्यान</p> <p>5. ओम ध्यान</p> <p>सार बिंदु (कीवर्ड) :प्रणव मंत्र, श्वास ध्यान, ओम ध्यान</p>   | 10 |
| भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन                                     |   |    |
| पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन                     |   |    |
| अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: |   |    |

1. सिंह एस. पी. और योगी मुकेश: फाउंडेशन ऑफ योग, स्टैंडर्डपब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2010.
2. स्वामी धीरेंद्र ब्रह्मचारी: योगासन विज्ञान, धीरेंद्र योग प्रकाशन, नई दिल्ली, 1966.
3. सरस्वती, स्वामी सत्यानंद: आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध (APMB), योग प्रकाशन ट्रस्ट, मुंगेर, 2013.
4. एच. आर. नागेंद्र: आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बंध, स्वामी विवेकानंद योग प्रकाशन, बेंगलोर, 2002.
5. ईश्वर भारद्वाज: सरल योगासन, सत्यमपब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2018.
6. श्री राय सिंह चौहान: मुद्रा रहस्य, भारतीय योग संस्थान, नई दिल्ली, 2014.
7. डॉ विश्वनाथ प्रसाद संधा: ध्यान योग, भारतीय योग संस्थान, नई दिल्ली, 1987.
8. श्री देशराज: ध्यान साधना, भारतीय योग संस्थान, नई दिल्ली, 2015.

अनुशंसितडिजिटलप्लेटफॉर्मवेब लिंक:

1. [www.rishikeshnathyogshala.com](http://www.rishikeshnathyogshala.com)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1. <https://sahayji.com/hathayoga-course>
2. <https://theyogainstitute.org/>

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 50

विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (वस्तुनिष्ठ) अंक:50

|                          |                  |             |
|--------------------------|------------------|-------------|
| आकलन :                   | वस्तुनिष्ठप्रश्न | 50 x 1 = 50 |
| विश्वविद्यालयीन परीक्षा: |                  | कुल अंक: 50 |
| समय- 01.00 घंटे          |                  |             |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

(मुख्य विषय)

**Part A : Introduction**

| Program : Certificate Course   |   | Class :  | शास्त्रिप्रथमवर्षम् | Year : 2021               | Session : 2021-2022 |
|--|---|--|---------------------|---------------------------|---------------------|
| 1.   | Course Code :<br>V1-SYAJIT  | Subject : शुक्लयजुर्वेदः   |                     |                           |                     |
| 2.   | Course Title  | वेददीपभाष्यं, याज्ञवल्क्यशिक्षा ग्रहशान्तिपद्धतिश्च  |                     |                           |                     |
| 3.   | Course Type<br>(Core/Elective/Generic<br>Elective/Vocational/...) | कोर 1 (प्रथमप्रश्नपत्रम्)  |                     |                           |                     |
| 4.   | Pre-requisite (If any)  | अस्मिन् पाठ्यक्रमे उत्तरमध्यमा/12 अथवा समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः प्रवेशार्हः।  |                     |                           |                     |
| 5.   | Course Learning<br>Outcomes (CLO)                                 | अध्ययनस्य लाभाः -<br>छात्रः प्रश्नपत्रस्याध्ययनानन्तरम् अधोलिखितयोग्यतां प्राप्स्यति - <ul style="list-style-type: none"><li>• वेदमन्त्रमुच्चारयितुं प्रभविष्यति।</li><li>• मन्त्रभाष्यमधीत्य तत्र विज्ञापितविषये ज्ञास्यति।</li><li>• मन्त्रोच्चारणप्रसंगस्य विधिं ज्ञास्यति।</li><li>• प्राथमिकपूजनप्रक्रियामधीत्य पूजनकर्मसम्पादयितुं क्षमः भविष्यति।</li><li>• सस्वरमन्त्रोच्चारणं कर्तुं प्रभविष्यति।</li><li>• मन्त्राणामुचितविनियोगं विज्ञाय सम्यक्तया अर्थं प्रतिपादयिष्यति।</li><li>• सामान्यरीत्या पूजनादिकर्मणि विधिं सम्पाद्य धनार्जनं कर्तुं प्रभविष्यति।</li></ul> |                     |                           |                     |
| 6.   | Credit Value  | 06   |                     |                           |                     |
| 7.   | Total Marks   | Max. Marks: 25+75  |                     | Min. Passing<br>Marks: 33 |                     |
| <b>Part B : Content of the Course</b>  |   |  |                     |                           |                     |
| Total numbers of Lectures (in hours per week): 3 hours per week<br>Total Lectures : 90 hours |   |  |                     |                           |                     |
| Unit   | Topics  |  |                     | Number of<br>Lectures     |                     |
| I  | सस्वरसवेददीपभाष्यशुक्लयजुर्वेदसंहितायाः प्रथमोऽध्यायः             |  |                     | 15                        |                     |
| II   | सस्वरसवेददीपभाष्यशुक्लयजुर्वेदसंहितायाः द्वितीयोऽध्यायः           |  |                     | 15                        |                     |
| III  | सस्वरसवेददीपभाष्यशुक्लयजुर्वेदसंहितायाः तृतीयोऽध्यायः             |  |                     | 15                        |                     |
| IV   | याज्ञवल्क्यशिक्षा(पूर्वार्द्धम्)                                  |  |                     | 15                        |                     |

|    |                                  |    |
|----|----------------------------------|----|
| V  | याज्ञवल्क्यशिक्षा(उत्तरार्द्धम्) | 15 |
| VI | ग्रहशान्तिपद्धतिप्रयोगः          | 15 |

### Part C : Learning Resources

#### Text Books, Reference Books, Other Resources

#### सन्दर्भ-ग्रन्थाः

1. शुक्लयजुर्वेदसंहिता, वेणीराम शर्मा गौड, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. शुक्लयजुर्वेदसंहिता, समहीधरभाष्यम्, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
3. ग्रहशान्तिपद्धति, वायुनन्दन मिश्र, मास्टर खेलाडीलाल प्रकाशन, वाराणसी
4. याज्ञवल्क्य शिक्षा, हरिराम मिश्र, विद्यानिधि प्रकाशन, नई दिल्ली
5. याज्ञवल्क्य शिक्षा, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी
6. पौरोहित्य कर्म प्रशिक्षक, सच्चिदानन्द पाठक, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

#### अन्तर्जालसंकेतः

1. <http://vedicheritage.gov.in/>

#### Suggested equivalent online courses:

### Part D: Assessment and Evaluation (Theory)

Maximum Marks: 100  
 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25  
 University Exam (UE): 75  
 Time : 03:00 Hours

|  |   |              |
|--|---|--------------|
| <b>Internal Assessment:</b><br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Class Test  | 15           |
|  | Assignment/Presentation                             | 10           |
|  | <b>Total</b>  | <b>25</b>    |
| <b>External Assessment:</b><br>University Exam                           | Section (A) : Five objective Questions              | 05 x 01 = 05 |
|  | Section (B) : Five Short Questions (100 Words Each) | 05x 04 = 20  |
|  | Section (C) : Five Long Questions (200 Words Each)  | 05 x 10 = 50 |
|  | <b>Total</b>  | <b>75</b>    |

**Part A : Introduction**

|                              |   |  |                     |                           |                     |
|------------------------------|---|--|---------------------|---------------------------|---------------------|
| Program : Certificate Course |   | Class :  | शास्त्रिप्रथमवर्षम् | Year : 2021               | Session : 2021-2022 |
| 1.                           | Course Code :<br>V1-SYAJT   | Subject : शुक्लयजुर्वेदः   |                     |                           |                     |
| 2.                           | Course Title  | पारस्करगृह्यसूत्रम्, निरुक्तं छन्दःशास्त्रं च  |                     |                           |                     |
| 3.                           | Course Type<br>(Core/Elective/Generic<br>Elective/Vocational/...) | कोर 1 (द्वितीयप्रश्नपत्रम्)  |                     |                           |                     |
| 4.                           | Pre-requisite (If any)  | अस्मिन् पाठ्यक्रमे उत्तरमध्यमा/12 अथवा समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः प्रवेशार्हः।  |                     |                           |                     |
| 5.                           | Course Learning<br>Outcomes (CLO)                                 | उद्देश्यानि<br>छात्रः प्रश्नपत्रस्याध्ययनानन्तरम् अधोलिखितयोग्यतां प्राप्स्यति - <ul style="list-style-type: none"><li>• छात्रः संस्काराणां मूलतत्त्वानि अधीत्य शास्त्रमतं समाजे स्थापयिष्यति।</li><li>• छात्रः शास्त्रमतानुगुणमग्निस्थापनं विज्ञास्यति।</li><li>• छात्रः मन्त्रेषु छन्दनिर्णयकर्तुं, भेदनिरूपयितुं च प्रभविष्यति।</li><li>• गृह्यसूत्रे समागताविषयेषु पाण्डित्यं प्राप्य सविधिशास्त्रानुगुणं संस्कारसम्पादयितुं प्रभविष्यति।</li><li>• मन्त्रव्याख्याप्रक्रियायाः मूलं (निर्वचनप्रक्रियाम्) विज्ञाय सम्यक्तया अर्थं प्रतिपादयिष्यति।</li><li>• रुद्रपाठं यथाविधिसम्पाद्य पौरोहित्यकर्मणा धनार्जनं कर्तुं प्रभविष्यति।</li></ul> |                     |                           |                     |
| 6.                           | Credit Value  | 06   |                     |                           |                     |
| 7.                           | Total Marks   | Max. Marks: 25+75  |                     | Min. Passing<br>Marks: 33 |                     |

**Part B : Content of the Course**

Total numbers of Lectures (in hours per week): 3 hours per week

Total Lectures : 90 hours

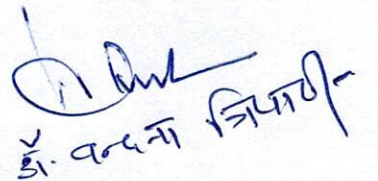
| Unit | Topics  | Number of<br>Lectures |
|------|---|-----------------------|
| I    | सहरिहरभाष्यपारस्करगृह्यसूत्रप्रथमकाण्डस्य 1-8 कण्डिका       | 15                    |
| II   | सहरिहरभाष्यपारस्करगृह्यसूत्रप्रथमकाण्डस्य 9-19 कण्डिका      | 15                    |
| III  | यास्कीयं निरुक्तं प्रथमाध्यायः (मुकुन्दझाबख्शी कृतव्याख्या) | 15                    |

|   |   |              |
|---|---|--------------|
| IV  | यास्कीयं निरुक्तं द्वितीयाध्यायः (मुकुन्दज्ञाबख्शी कृतव्याख्या) | 15           |
| V   | पिंगलछन्दःसूत्रम् (सम्पूर्णम्), प्रतिज्ञापरीशिष्टम्             | 15           |
| VI  | रुद्राष्टाध्यायी (पाठः प्रयोगश्च)                               | 15           |
| <b>Part C : Learning Resources</b>  |   |              |
| <b>Text Books, Reference Books, Other Resources</b>   |   |              |
| सन्दर्भ-ग्रन्थाः  |   |              |
| <ol style="list-style-type: none"> <li>1. पारस्करगृह्यसूत्रम् (सहरिहरभाष्यम्), जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>2. पिंगलछन्दःसूत्रम्, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी</li> <li>3. निरुक्तम्, मुकुन्द ज्ञा बख्शी, निर्णयसागर, मुम्बई</li> <li>4. रुद्राष्टाध्यायी, गीताप्रेस, गोरखपुर</li> <li>5. रुद्राष्टाध्यायी, वेंकटेश्वर स्टीम प्रेस, मुम्बई</li> </ol> |   |              |
| अन्तर्जालसंकेतः   |   |              |
| <ol style="list-style-type: none"> <li>1. <a href="http://vedicheritage.gov.in/">http://vedicheritage.gov.in/</a></li> </ol>  |   |              |
| <b>Suggested equivalent online courses:</b>   |   |              |
| <b>Part D: Assessment and Evaluation (Theory)</b>   |   |              |
| <b>Maximum Marks: 100</b><br><b>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25</b><br><b>University Exam (UE): 75</b><br><b>Time : 03:00 Hours</b>   |   |              |
| <b>Internal Assessment:</b><br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)  | Class Test  | 15           |
|   | Assignment/Presentation   | 10           |
|   | <b>Total</b>  | <b>25</b>    |
| <b>External Assessment:</b><br>University Exam  | Section (A) : Five objective Questions                          | 05 x 01 = 05 |
|   | Section (B) : Five Short Questions (100 Words Each)             | 05x 04 = 20  |
|   | Section (C) : Five Long Questions (200 Words Each)              | 05 x 10 = 50 |
|   | <b>Total</b>  | <b>75</b>    |

**(गौण विषय)**



| शास्त्रिप्रथमवर्षम् (BA I Year) – Minor  |   |   |                           |                       |
|--|---|---|---------------------------|-----------------------|
| Part A : Introduction  |   |   |                           |                       |
| Program : Certificate  | Class :   | शास्त्रिप्रथमवर्षम्<br>(BA I Year)  | Year : 2021               | Session : 2021-2022   |
| 1.   | Course Code :<br>V1-ASAN-1T   | Subject : अनिवार्यसंस्कृतम्   |                           |                       |
| 2.   | Course Title  | संस्कृतव्याकरणम्  |                           |                       |
| 3.   | Course Type<br>(Core/Elective/Generic<br>Elective/Vocational/...)       | Minor   |                           |                       |
| 4.   | Pre-requisite (If any)  | इंटरमीडिएट/ द्वादशी / समकक्षपरीक्षोत्तीर्णविद्यार्थिनः पाठ्यक्रमेऽस्मिन् प्रवेष्टुमर्हाः ।<br>Students who have passed class 12 <sup>th</sup> / equivalent examination can enter the course.  |                           |                       |
| 5.   | Course Learning<br>Outcomes (CLO)                                       | <ul style="list-style-type: none"> <li>● संस्कृतव्याकरणस्य प्रारम्भिकज्ञानम् ।</li> <li>● संस्कृतवर्णमालापरिचयः ।</li> <li>● व्याकरणशास्त्रे प्रयुक्तसंज्ञानां परिचयः ।</li> <li>● सन्धिविषये सैद्धान्तिकं प्रायोगिकञ्च ज्ञानम् ।</li> <li>● शब्दरूपाणां धातुरूपाणाञ्च प्रयोगबोधः ।</li> <li>● संस्कृतसम्भाषणकौशलविकासः ।</li> <li>● अन्यान्यसंस्कृतग्रन्थानामवगमनाय सामर्थ्योत्पादनम् ।</li> </ul> |                           |                       |
| 6.   | Credit Value  | 06  |                           |                       |
| 7.   | Total Marks   | Max. Marks: 25+75   | Min. Passing<br>Marks: 33 |                       |
| Part B : Content of the Course   |   |   |                           |                       |
| Total numbers of Lectures (in hours per week): 3 hours per week<br>Total Lectures : 90 hours |   |   |                           |                       |
| Unit   | Topics  |   |                           | Number of<br>Lectures |
| I  | लघुसिद्धान्तकौमुदी - संज्ञाप्रकरणम्                                     |   |                           | 15                    |
| II   | लघुसिद्धान्तकौमुदी- सन्धिप्रकरणम्<br>अच्सन्धिः, हल्सन्धिः, विसर्गसन्धिः |   |                           | 15                    |

  
 डॉ. वन्दना त्रिपाठी-

|     |   |    |
|-----|---|----|
| III | शब्दरूपाणि- राम, हरि, गुरु, कर्तु, भानु, पितृ, आत्मन्, रमा, मति, नदी, धेनु, मातृ, वधू, वारि, फल, आत्मन्, जगत्, नामन्, भवत्, मनस्, विद्वस्, पयस्, युष्मद्, अस्मद्। सर्व, यत्, किम्, एतत् तत्, इदम्, (त्रिषु लिङ्गेषु)।   | 15 |
| IV  | धातुरूपाणि - लट्, लोट, लृट्, लङ्, विधिलिङ्, पञ्चलकारेषु।<br>परस्मैपदिनः - भू, अस्, वद्, वृश्, अस्, भी।<br>आत्मनेपदिनः - लभ्, वृध्, शी, जन्, सेव्, भाष्।<br>उभयपदिनः - याच्, नी, स्वप्, दा, कृ, क्री।  | 15 |
| V   | संस्कृतवाग्व्यहारः- आत्मपरिचयः, विभक्तिप्रयोगः, लिङ्गभेदः, प्रश्नप्रकाराः, संख्या (1-100), समयः।  | 15 |
| VI  | संस्कृतवाग्व्यहारः- वाक्येषु प्रयोगः - अद्य, श्वः परश्वः, प्रपरश्वः, ह्यः, परह्यः, प्रपरह्यः, इदानीम्, अद्यतनम्, ह्यस्तनम्, श्वस्तनम्, पूर्वतनम्, इदानीन्तनम्। अत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र। परितः, उभयतः, सर्वतः, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, अधः, उपरि। च, अतः, एव, वा, इति, यत्, इत्युक्ते। यदा-तदा। इतः - पूर्वम्, इतः - परम्। गत- आगामि। यदि-तर्हि। | 15 |

### Part C : Learning Resources

#### Text Books, Reference Books, Other Resources

#### Suggested Readings :

##### सन्दर्भग्रन्थः

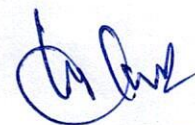
1. लघुसिद्धान्तकौमुदी : गीताप्रेस, गोरखपुर, उत्तरप्रदेश
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी : महेशसिंहकुशवाहाकृतव्याख्या, चौखम्भाविद्याभवनप्रकाशन, वाराणसी, 2007
3. प्रौढरचनानुवादकौमुदी : डॉ कपिलदेवद्विवेदी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी, 2009
4. सन्धिः : संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु, 2000
5. विभक्तिवल्लरी : संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु, 2000
6. अभ्यासपुस्तकम् : संस्कृतभारती, बेङ्गलूरु, 1999
7. संस्कृतव्यवहारसाहस्री : संस्कृतभारती, नई दिल्ली, 2001
8. रूपचन्द्रिका : सम्पादक - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्भासुरभारतीप्रकाशन, वाराणसी, 2005

#### Suggested equivalent online courses:

### Part D: Assessment and Evaluation (Theory)


|  |             |
|--|-------------|
| Maximum Marks:                             | 100         |
| Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): | 25          |
| University Exam (UE):                      | 75          |
| Time :                                     | 03:00 Hours |

|                      |            |    |
|----------------------|------------|----|
| Internal Assessment: | Class Test | 15 |
|----------------------|------------|----|



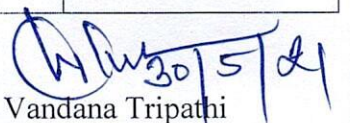
डॉ. वन्दना त्रिपाठी

|  |   |              |
|--|---|--------------|
| Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)      | Assignment/Presentation                             | 10           |
|  | <b>Total</b>  | <b>25</b>    |
| <b>External Assessment:</b><br>University Exam | Section (A) : Five objective Questions              | 05 x 01 = 05 |
|  | Section (B) : Five Short Questions (100 Words Each) | 05x 04 = 20  |
|  | Section (C) : Five Long Questions (200 Words Each)  | 05 x 10 = 50 |
|  | <b>Total</b>  | <b>75</b>    |

  
डॉ. वन्दना त्रिपाठी

(वैकल्पिक विषय)

| Part A : Introduction   |  |   |                      |                           |                     |
|---|--|---|----------------------|---------------------------|---------------------|
| Program : Certificate Course                                    |  | Class :   | शास्त्रिप्रथम वर्षम् | Year : 2021               | Session : 2021-2022 |
| 1.  | Course Code :<br>V1-SAHI-1T  | Subject : संस्कृतसाहित्यम्  |                      |                           |                     |
| 2.  | Course Title   | महाकाव्यपरम्परा   |                      |                           |                     |
| 3.  | Course Type<br>(Core/Elective/Generic<br>Elective/Vocational/...)                          | Core - 1 (प्रथमं प्रश्नपत्रम्)  |                      |                           |                     |
| 4.  | Pre-requisite (If any)   | अस्मिन् पाठ्यक्रमे उत्तर मध्यमा/12वीं अथवा समकक्ष परीक्षोत्तीर्णः प्रवेशार्हः।  |                      |                           |                     |
| 5.  | Course Learning<br>Outcomes (CLO)  | 1. संस्कृतमहाकाव्यपरम्परायाः परिज्ञानम् ।<br>2. नायकनायिका-चरितव्याजेन दयादाक्षिण्यादिगुणानां जीवनमूल्यानां राष्ट्रभक्तेश्च शिक्षणम् ।<br>3. रामायणमहाभारतयोः सांस्कृतिकमहत्त्वज्ञानम् ।<br>4. वाल्मीकि-व्यास-कालिदास-भारवि-माघादिकवीनां साहित्यिकपरिचयावबोधश्च विद्यते ।<br>5. अनेन छात्राः काव्यसर्जनायां प्रवृत्ताः भविष्यन्ति । |                      |                           |                     |
| 6.  | Credit Value   | 06 Credit   |                      |                           |                     |
| 7.  | Total Marks  | Max. Marks: 25+75   |                      | Min. Passing<br>Marks: 33 |                     |
| Part B : Content of the Course                                  |  |   |                      |                           |                     |
| Total numbers of Lectures (in hours per week): 3 hours per week |  |   |                      |                           |                     |
| Total Lectures : 90 hours                                       |  |   |                      |                           |                     |
| Unit  | Topics   |   |                      | Number of<br>Lectures     |                     |
| I   | वाल्मीकिरामायणम्<br>(सामान्यपरिचयः, रचनाकालः, सांस्कृतिकं महत्त्वम्, अद्यतनप्रासङ्गिकता च) |   |                      | 15                        |                     |

  
 Dr. Vandana Tripathi  
 Professor, Dept. of Sanskrit  
 Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

|     |  |    |
|-----|--|----|
| II  | महाभारतम्<br>(सामान्यपरिचयः, रचनाकालः, सांस्कृतिकं महत्त्वम्, अद्यतनप्रासङ्गिकता च )       | 15 |
| III | रघुवंशमहाकाव्यम्<br>( विषयवस्तुपरिचयः, प्रथमसर्गस्य पद्यव्याख्या )                         | 15 |
| IV  | किरातार्जुनीयम्<br>( कथावस्तुसमीक्षा , प्रथमसर्गस्य पद्यव्याख्या )                         | 15 |
| V   | शिशुपालबधम्<br>( महाकाव्यस्य सामान्यपरिचयः, प्रथमसर्गस्य 1-50 पद्यानां व्याख्या )          | 15 |
| VI  | महाकाव्यस्य लक्षणम्, उद्भवो विकासश्च। वाल्मीकि-वेदव्यास-कालिदास-भारवि-<br>माघकवीनां परिचयः | 15 |

### Part C : Learning Resources

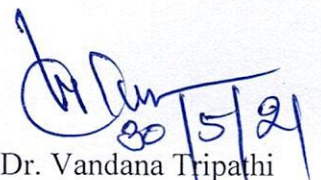
#### Text Books, Reference Books, Other Resources

#### Suggested Readings:

1. वाल्मीकिरामायणम् - महर्षिवाल्मीकिः, गीताप्रेस, गोरखपुरम्, उत्तरप्रदेशः
2. महाभारतम् - वेदव्यासः, गीताप्रेस, गोरखपुरम्, उत्तरप्रदेशः
3. रघुवंशमहाकाव्यम् - कालिदासः, मृतसंजीवनीटीकोपेतम्, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. किरातार्जुनीयम् - भारविः, घण्टापथटीकासहितम्, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. शिशुपालबधम् - माघः, सर्वङ्कषाव्याख्योपेतम्, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
6. साहित्यदर्पणम् - विश्वनाथः, विमलाव्याख्योपेतम्, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
7. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल विजयकुमार, 2 कटरा रोड, प्रयागराज
8. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. संस्कृतसाहित्येतिहासः, लोकमणिदाहाल, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

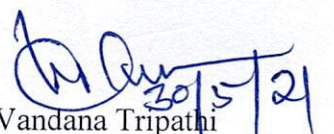
#### Suggested equivalent online courses:

### Part D: Assessment and Evaluation (Theory)



Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

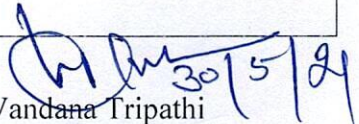
|   |  |              |
|---|--|--------------|
| Maximum Marks:  | 100  |              |
| Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):                              | 25   |              |
| University Exam (UE):   | 75   |              |
| Time : 03:00 Hours  |  |              |
| Internal Assessment:<br>Continuous<br>Comprehensive<br>Evaluation (CCE) | Class Test   | 15           |
|   | Assignment/Presentation                                | 10           |
|   | <b>Total</b>   | <b>25</b>    |
| External Assessment:<br>University Exam                                 | Section (A) : Five objective<br>Questions              | 05 x 01 = 05 |
|   | Section (B) : Five Short<br>Questions (100 Words Each) | 05x 04 = 20  |
|   | Section (C) : Two Long<br>Questions (300 Words Each)   | 05 x 10 = 50 |
|   | <b>Total</b>   | <b>75</b>    |

  
 Dr. Vandana Tripathi  
 Professor, Dept. of Sanskrit  
 Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

शास्त्रि-प्रथमवर्षम्  
Shastri first year , Coure 1, Paper 1

Part A : Introduction

|                                |   |   |             |                           |
|--------------------------------|---|---|-------------|---------------------------|
| Program : Certificate          | Class :   | शास्त्रिप्रथमवर्षम्<br>(बीए प्रथम वर्ष)   | Year : 2021 | Session : 2021-2022       |
| 1.                             | Course Code   | Subject : व्याकरणशास्त्रम्<br>V1-NVYA1T   |             |                           |
| 2.                             | Course Title  | प्राचीनभाषाविज्ञानं दर्शनञ्च  |             |                           |
| 3.                             | Course Type<br>(Core/Elective/Generic<br>Elective/Vocational/...) | CORE 1 ( प्रथमप्रश्नपत्रम् )  |             |                           |
| 4.                             | Pre-requisite (If any)  | इंटरमीडिएट/ द्वादशी /उत्तरमध्यमा / समकक्षपरीक्षोत्तीर्णविद्यार्थिनः<br>पाठ्यक्रमेऽस्मिन् प्रवेशाय अर्हाः सन्ति ।<br>Students who have passed class 12 <sup>th</sup> / equivalent examination<br>can enter the course.   |             |                           |
| 5.                             | Course Learning<br>Outcomes (CLO)                                 | <ul style="list-style-type: none"><li>• व्याकरणशास्त्रीयसामान्य-ज्ञानम्।</li><li>• भाष्यपरम्परायाः परिज्ञानम्।</li><li>• व्याकरणदर्शनस्य परिज्ञानम्</li><li>• पारम्परिकविधिना वर्णोच्चारणप्रकाराणाम् अवगमनम्।</li><li>• वैज्ञानिकविधिना उच्चारणप्रक्रियायाः ज्ञानम्।</li><li>• पारम्परिकशास्त्रार्थवाक्यार्थविधेः परिज्ञानम्।</li><li>• विद्यार्थिनां भाषणकौशलस्य विकासः।</li><li>• शास्त्रावगमनस्य कौशलविकासः।</li><li>• तार्किकव्युत्पत्तेः परिज्ञानम्।</li><li>• वैशेषिकपदार्थस्य सामान्यपरिचयः।</li></ul> |             |                           |
| 6.                             | Credit Value  | 06  |             |                           |
| 7.                             | Total Marks   | Max. Marks: 25+75   |             | Min. Passing<br>Marks: 33 |
| Part B : Content of the Course |   |   |             |                           |

  
Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.



Total numbers of Lectures (in hours per week): 3 hours per week

Total Lectures : 90 hours

| Unit | Topics  | Number of Lectures |
|------|---|--------------------|
| I    | भाष्यपरम्परा, लक्षणम् ,व्याकरणाध्ययनस्य प्रयोजनम्<br>(महाभाष्यानुसारं पस्पशाह्निकस्य अध्ययनम्)      | 15                 |
| II   | पारम्परिकवर्णसामान्यायः<br>(महाभाष्यानुसारं प्रत्याहाराह्निकस्य अध्ययनम्, प्रत्याहारस्य प्रयोजनम् ) | 15                 |
| III  | वृद्धिरादैच्<br>(महाभाष्यानुसारं तृतीयाह्निकस्य अध्ययनम्)   | 15                 |
| IV   | इको गुणवृद्धी<br>(महाभाष्यानुसारं तृतीयाह्निकस्य अध्ययनम्)  | 15                 |
| V    | तर्कसङ्ग्रहः<br>(आदितः प्रत्यक्षखण्डं यावत्)  | 15                 |
| VI   | तर्कसङ्ग्रहः (सान्तः)<br>(अनुमानखण्डतः ग्रन्थान्तो भागः)  | 15                 |

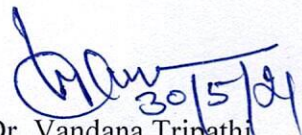
Part C : Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other Resources

Suggested Readings :

सन्दर्भ -ग्रन्थः

1. व्याकरणमहाभाष्यम् – व्याख्याकारः आचार्यमधुसूदनमिश्रः, चौखम्भासुरभारतीप्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र)
2. व्याकरणमहाभाष्यम् – व्याख्याकारः आचार्य -चारुदेव -शास्त्री ,मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी (उ.प्र)
3. व्याकरणमहाभाष्यम् – सम्पादकः गुरु प्रसाद शास्त्री , चौखम्भासुरभारतीप्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र)
4. तर्कसङ्ग्रहः - व्याख्याकारः - गोविन्दाचार्यः , चौखम्भासुरभारतीप्रकाशन, वाराणसी (उ.प्र)
5. तर्कसङ्ग्रहः( विद्याधरी )- व्याख्याकारः - देवदत्तपाटिलः , समर्थ मिडिया सेण्टर (गोवा)
6. व्याकरण शास्त्र का इतिहास - लेखकः युधिष्ठिर - मीमांसकः , रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ, सोनिपत (हरियाणा)

  
30/5/24

Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

Suggested equivalent online courses:

शास्त्री - केन्द्रीय-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, नवदेहली

Part D: Assessment and Evaluation (Theory)

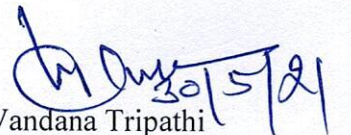
Maximum Marks: 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25

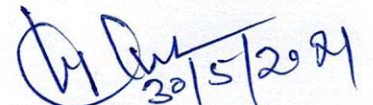
University Exam (UE): 75

Time : 03:00 Hours

|   |  |              |
|---|--|--------------|
| Internal Assessment:<br>Continuous<br>Comprehensive<br>Evaluation (CCE) | Class Test   | 15           |
|   | Assignment/Presentation                                | 10           |
|   | Total  | 25           |
| External Assessment:<br>University Exam                                 | Section (A) : Five objective<br>Questions              | 05 x 01 = 05 |
|   | Section (B) : Five Short<br>Questions (100 Words Each) | 05x 04 = 20  |
|   | Section (C) : Five Long<br>Questions (200 Words Each)  | 05 x 10 = 50 |
|   | Total  | 75           |

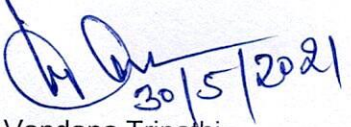
  
Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

| Part A : Introduction   |   |   |                           |                     |
|---|---|---|---------------------------|---------------------|
| Program : Certificate Course                                    | Class :   | शास्त्रिप्रथमवर्षम्<br>(बीए प्रथम वर्ष)   | Year : 2021               | Session : 2021-2022 |
| 1.  | Course Code:<br>V1-FJYO1T   | Subject : फलितज्योतिषम्   |                           |                     |
| 2.  | Course Title  | जातकं प्रश्नशास्त्रञ्च  |                           |                     |
| 3.  | Course Type<br>(Core/Elective/Generic<br>Elective/Vocational/...) | कोर 1 (प्रथमप्रश्नपत्रम्)   |                           |                     |
| 4.  | Pre-requisite (If any)  | अस्मिन् पाठ्यक्रमे उत्तरमध्यमा/12शी अथवा समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः प्रवेशार्हः  |                           |                     |
| 5.  | Course Learning<br>Outcomes (CLO)                                 | <ol style="list-style-type: none"> <li>1. ज्योतिषस्य जातकभागस्याध्ययनं राशिग्रहनक्षत्राणां स्वरूपबोधनं च कर्तुं प्रभविष्यति।</li> <li>2. प्रश्नशास्त्रस्य परिज्ञानं कर्तुं प्रभविष्यति।</li> <li>3. ज्योतिषशास्त्रस्य प्रारम्भिकज्ञानं जन्मकुण्डलीनां समुचितविश्लेषणं कर्तुं समर्थः भविष्यति।</li> <li>4. जन्मकुण्डल्यावलोकनं कृत्वा शुभाशुभयोगानां अरिष्टानां चाध्ययनं कर्तुं शक्यति।</li> <li>5. कार्यसिद्धिः रोगादिपरिज्ञानं गर्भरक्षणं वृष्ट्यादिव्यावहारिकविषयाणां च ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या विश्लेषणं कर्तुं शक्यति।</li> <li>6. समाजोपयोगिविषयाणां प्रयोगेण छात्रः आजीविकोपार्जनमपि कर्तुं शक्यति।</li> </ol> |                           |                     |
| 6.  | Credit Value  | 06  |                           |                     |
| 7.  | Total Marks   | Max. Marks: 25+75   | Min. Passing<br>Marks: 33 |                     |
| Part B : Content of the Course                                  |   |   |                           |                     |
| Total numbers of Lectures (in hours per week): 3 hours per week |   |   |                           |                     |
| Total Lectures : 90 hours                                       |   |   |                           |                     |



Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

| Unit | Topics  | Number of Lectures |
|------|---|--------------------|
| I    | <p>लघुजातकस्य 1 - 5 अध्यायाः</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>राशिप्रभेदाध्यायः - ग्रन्थप्रयोजनम्, कालपुरुषस्याङ्गविभागः, राशीनां वर्णः, पुंस्त्रीसंज्ञाज्ञानम्, दिशाज्ञानम्, अधिपतयः, षड्वर्गम्, द्विपदादिसंज्ञाज्ञानम्, राशिबलम्, भावानां सञ्ज्ञाः, उदयप्रकारः, ग्रहाणामुच्चनीचादिराशयः</li> <li>ग्रहभेदाध्यायः - ग्रहाणाम्-आत्मादिविभागाः, शुभाशुभत्वम्, ब्राह्मणादिवर्णविचारः, स्थानादिषड्विधं ग्रहबलम्,</li> <li>ग्रहमैत्रीविवेकाध्यायः - नैसर्गिक-तात्कालिक-पञ्चधात्रिविधात्मिका मैत्रीविचारः</li> <li>ग्रहस्वरूपाध्यायः - सूर्यादिग्रहाणां स्वरूपम्, प्रयोजनम्</li> <li>गर्भाधानाध्यायः- गर्भकारक-नाशकयोगाः, प्रतिमासे गर्भस्वरूपम्, यमलजात्यादियोगाः</li> </ul> | 15                 |
| II   | <p>लघुजातकस्य 6 – 10 अध्यायाः</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>सूतिकाध्यायः - ग्रहाणां सत्त्वादिगुणानि, सूतिकागृहस्वरूपादिज्ञानम्,</li> <li>अरिष्टाध्यायः - विविधारिष्टयोगाः</li> <li>अरिष्टभङ्गाध्यायः - अरिष्टभङ्गविचारः</li> <li>आयुर्दायाध्यायः - आयुर्दायनियमाः</li> <li>दशान्तर्दशाध्यायः - दशाप्रमाणम्, दशाफलम्, अन्तर्दशासाधनम्</li> </ul>  | 15                 |
| III  | <p>लघुजातकस्य 11 अध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>अष्टकवर्गाध्यायः - अष्टकवर्गः फलनिरूपणञ्च</li> <li>प्रकीर्णाध्यायः - अनफादियोगाः, प्रत्रज्यायोगाः, भावफलानि, राजयोगाश्च</li> <li>नाभसयोगाध्यायः - आश्रय-दलयोग-आकृति-सङ्ख्याभेदेन रज्ज्वादि द्वात्रिंशत्-योगाः</li> <li>स्त्रीजातकाध्यायः - स्त्रीजातके ब्रह्मवादिन्यादिशुभाशुभयोगाः</li> <li>निर्णयाध्यायः - मृत्युकारकज्ञानम्, मोक्षयोगाः</li> <li>नष्टजातकाध्यायः - नक्षत्रमासादीनाम् आनयनम्</li> </ul>   | 15                 |

  
30/5/2021

Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

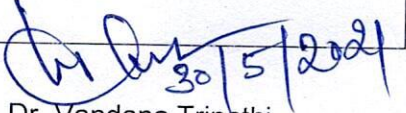
|    |   |    |
|----|---|----|
| IV | <p>षट्पञ्चाशिकायाः 1 - 4 अध्यायाः</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• होराध्यायः - प्रश्नशास्त्रस्यनियमाः, कार्यसिद्धिविचारः</li> <li>• गमागमोध्यायः - गमागम-शत्रुनिवृत्त्यादिविचारः</li> <li>• जयपराजयोध्यायः - जय-पराजयज्ञानम्, सन्धिविरोधविचारः</li> <li>• शुभाशुभलक्षणाध्यायः - सर्वार्थसिद्धियोगः, लाभालाभविचारः</li> </ul> | 15 |
| V  | <p>षट्पञ्चाशिकायाः 5 अध्यायतःसमाप्तिपर्यन्तम्</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रवासचिन्ताध्यायः - प्रवासयः अवस्थाविचारः</li> <li>• नष्टप्राप्तिरध्यायः - चौरादिविचारः</li> <li>• मिश्रकाध्यायः - गर्भविचारः, वर्षाचिन्ता, विवाहचिन्ता, रोगविचारः</li> </ul>   | 15 |
| VI | <p>फलित-प्रश्नशास्त्रयोः व्यावहारिकमध्ययनम् -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• वराहमिहिरपृथुयशसोः परिचयः,</li> <li>• लघुजातक-षट्पञ्चाशिका-ग्रन्थयोः वैशिष्ट्यम्</li> <li>• उदाहरणपुरस्सरं लग्नकुण्डली-प्रश्नकुण्डलीविवेचनम्</li> <li>• राजयोग-वर्षाप्रश्नादिविचारः</li> </ul>   | 15 |

Part C : Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other Resources

Suggested Readings: (सन्दर्भ ग्रन्थाः)

1. लघुजातकम्- पं.कमलाकान्तपाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशनम्, वाराणसी
2. लघुजातकम्- वराहमिहिर, सम्पा. डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2008
3. षट्पञ्चाशिका- पृथुयशा- टीका.- गुरुप्रसादगौड, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
4. षट्पञ्चाशिका- पृथुयशा- टीका. भोजराज द्विवेदी, लेखराज द्विवेदी, रंजन पब्लिकरशन, दिल्ली, 2001
5. षट्पञ्चाशिका- पृथुयशा- टीका. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकरशन, दिल्ली, 2007
6. दैवज्ञवल्लभा- वराहमिहिर- सम्पा. शुकदेव चतुर्वेदी, रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली, 2002
7. भुवनदीपक- पद्मप्रभसूरि- सम्पा. चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011
8. सारावली- कल्याण वर्मा- टीका. मुरलीधर चतुर्वेदी- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2003
9. बृहज्जातक-वराहमिहिर, सम्पा. अमितकुमार शुक्ल- श्री ठाकुरप्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी, 2009
10. जन्मपत्री रचना विज्ञान- सम्पा. प्रो. मनमोहन उपाध्याय- महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, 2020



Dr. Vandana Tripathi

Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

11. बृहत्पराशरहोराशास्त्रम्- सुरेशचन्द्र मिश्र- रंजन पब्लिकेशन, दिल्ली, 2005

12. योगचिन्तामणि एवं व्यवहार ज्योतिष- डाँ राजेश्वरशास्त्री मुसलगाँवकर, पं राजशेखरशास्त्री मुसलगाँवकर- चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2011

Suggested equivalent online courses:

Part D: Assessment and Evaluation (Theory)

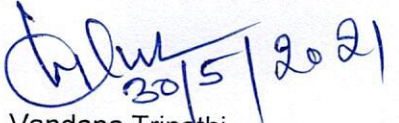
Maximum Marks: 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25

University Exam (UE): 75

Time : 03:00 Hours

|   |  |              |
|---|--|--------------|
| Internal Assessment:<br>Continuous<br>Comprehensive<br>Evaluation (CCE) | Class Test   | 15           |
|   | Assignment/Presentation                                | 10           |
|   | Total  | 25           |
| External Assessment:<br>University Exam                                 | Section (A) : Five objective<br>Questions              | 05 x 01 = 05 |
|   | Section (B) : Five Short<br>Questions (100 Words Each) | 05x 04 = 20  |
|   | Section (C) : Five Long<br>Questions (200 Words Each)  | 05 x 10 = 50 |
|   | Total  | 75           |

  
30/5/2021

Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

Shastri (B.A.) 1 Year - Core 1, Paper - 1

Part A Introduction

|                        |                          |            |                     |
|------------------------|--------------------------|------------|---------------------|
| Programme: Certificate | Class:<br>Shastri (B.A.) | Year : 1st | Session : 2021-2022 |
|------------------------|--------------------------|------------|---------------------|

Subject : Siddhant Jyotish (सिद्धान्त ज्योतिष)

|   |   |   |
|---|---|---|
| 1 | Course Code :   | V1-SJYO1T   |
| 2 | Course Title :  | REKHA GANITAM & GOL GANITAM<br>(रेखागणितम् गोलगणितञ्च)  |
| 3 | Course Type (Core Course/<br>Elective/Generic<br>Elective/<br>Vocational/.....) | CORE - 1 (1st Paper)  |
| 4 | Pre-requisite (if any)  | <ul style="list-style-type: none"> <li>उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री/इंटरमीडिएट(12th) अथवा समकक्षपरीक्षोत्तीर्णविद्यार्थिनः पाठ्यक्रमेस्मिन् प्रवेष्टुमर्हः।</li> <li>Any student who have passed Uttar-Madhyama/Prak-Shastri/ Intermediate(12<sup>th</sup>) or Equivalent Examination from the recognised institute are eligible to Enter the Course.</li> </ul>      |
| 5 | Course Learning outcomes (CLO)  | <ol style="list-style-type: none"> <li>रेखागणितस्य परिज्ञानं कर्तुं प्रभविष्यति</li> <li>रेखागणितसाधने सक्षमो भविष्यति ।</li> <li>क्षेत्रव्यवहारे नैपुण्यमागमिष्यति ।</li> <li>गोलज्ञाने दक्षो भविष्यति ।</li> <li>ग्रहगोल-खगोल-भगोलानां व्यावहारिकं ज्ञानं सम्पादयिष्यति ।</li> <li>समाजोपयोगिविषयाणां प्रयोगेण छात्रः आजीविकोपार्जनमपि कर्तुं शक्यति ।</li> </ol> |
| 6 | Credit Value  | 6   |
| 7 | Total Marks:  | Max. Marks : 25+75<br>Min. Passing Marks:<br>10+30  |

Part B – Content of the Course

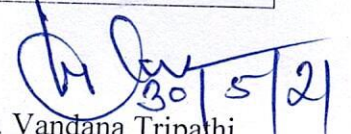
Total No. of Lectures – Tutorials - Practical (in hours per week) : L-T-P : 3 Hours per

Dr. Vandana Tripathi

Professor, Dept. of Sanskrit

Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

| week   |   |                 |
|--|---|-----------------|
| Total Lectures : 90 Hours                    |   |                 |
| Total No. of Lectures = 90                   |   |                 |
| Unit   | Topics  | No. of Lectures |
| I  | रेखागणितस्य प्रथमद्वितीयाध्यायौ -<br>रेखागणितीयपरिभाषाः, अभीष्टरेखोपरि समभुज-त्रिभुजः, अभीष्टरेखाखण्डम्, कोणसम्मुखभुजा, आधारप्रान्तलग्नभुजौ, अभीष्टकोणस्य तुल्यखण्डद्वयम्, अभीष्टरेखायाः समानं खण्डद्वयम्, अभीष्टरेखायां लम्बः, निर्दिष्टरेखयोः घातयोगः, रेखयोः खण्डवर्गः ।   | 15              |
| II   | रेखागणितस्य तृतीयाध्यायः -<br>परिभाषाः, अभीष्ट वृत्तस्य केन्द्रम्, परिधौ बिन्दुद्वयगामिनी रेखा, वृत्तस्य केन्द्रगामिनी रेखा, एकस्मिन् चापाधारे द्विगुणः केन्द्र कोणः, वृत्ते एकचापान्तर्गतकोणाः ।   | 15              |
| III  | रेखागणितस्य चतुर्थोऽध्यायः -<br>परिभाषाः, वृत्तस्य व्यासाल्परेखा तुल्या जीवा, वृत्तान्तार्गतं त्रिभुजकोणसमं त्रिभुजम्, वृत्तान्तार्गतं समकोण-भुजं पञ्चभुजम्, वृत्तोपरि समभुजकोणकं पञ्चभुजम् ।   | 15              |
| IV   | गोल परिभाषा -<br>गोलानां परिभाषाः, भूगोलस्वरूपम्, लघुवृत्तानि, महद्वृत्तानि, लङ्कादेश-रेखादेशाः, मध्यम-स्पष्टभूपरिधिः, देशान्तरम्, स्वस्तिकं खमध्यं वा, नाडीवृत्तम्, क्रान्तिवृत्तम्, अहोरात्रवृत्तम्, ध्रुवस्थानम्, कदम्बस्थानम्, नतांशाः, उन्नतांशाः, क्रान्तिः, परमक्रान्तिः, अक्षांशाः, विमण्डलम्, दृग्वृत्तम्। | 15              |
| V  | गोल परिभाषा -<br>दृक्क्षेपवृत्तम्, क्रान्तिज्या, दिगंशः, अग्रा, क्रान्त्यंशाः, हतिः, इष्टहतिः, तद्धृतिः, पूर्वापरवृत्तम्, याम्योत्तरवृत्तम्, उदयास्तसूत्रम्, लङ्कोदयासवः, शरः, पातः, नतिः, लम्बनम्, प्रथम-चतुर्थ-सप्तम-दशमस्थानानि, अक्षक्षेत्राणि ।  | 15              |
| VI   | विविधत्रिभुजक्षेत्राणां प्रयोगः, गोलीयरैखिकव्यवहारप्रयोगः, विविधरेखाक्षेत्राणि, वृत्तीयरेखाक्षेत्राणां व्यवहारप्रयोगः, भूगोल-खगोल-भगोलानां प्रत्यक्ष दर्शनेन परिज्ञानम्, विविधानां खगोलीयक्षेत्राणां प्रयोगिकं ज्ञानम् रेखाङ्कनं च ।  |                 |
| <b>Part C – Learning Resources</b>           |   |                 |
| Text Books, Reference Books, Other resources |   |                 |

  
 Dr. Vandana Tripathi  
 Professor, Dept. of Sanskrit  
 Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.



**Suggested Readings: -**

1. रेखागणितम् 1-4 अध्यायाः, डॉ. नागेन्द्रपाण्डेयः, चौखम्भासंस्कृतसंस्थानम्, वाराणसी।
2. गोल परिभाषा, सीताराम झा (डॉ. कमलाकांत पाण्डेय), शारदा प्रकाशन वाराणसी।
3. गोल परिभाषा, कामेश्वर उपाध्याय, चौखम्भासंस्कृतसंस्थानम्, वाराणसी।
4. गोल परिभाषा, डॉ. हंसधर झा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर, (राजस्थान)।
5. गोल परिभाषा, गणपति लाल शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर, (राजस्थान)।

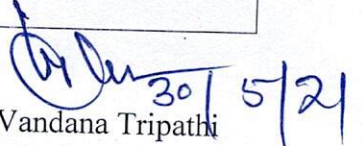
**Suggested equivalent online course:**

<https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=1245> [Paper (P 15), Module (M 1 to 18)]

**Part D: Assessment and Evaluation (Theory)**

|  |     |
|--|-----|
| Maximum Marks:                             | 100 |
| Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): | 25  |
| University Exam (UE):                      | 75  |
| Time : 03:00 Hours                         |     |

|  |  |              |
|--|--|--------------|
| Internal<br>Assessment:<br>Continuous<br>Comprehensive<br>Evaluation (CCE) | Class Test   | 15           |
|  | Assignment/Presentation                                | 10           |
|  | Total  | 25           |
| External<br>Assessment:<br>University Exam                                 | Section (A) : Five objective<br>Questions              | 05 x 01 = 05 |
|  | Section (B) : Five Short<br>Questions (100 Words Each) | 05x 04 = 20  |
|  | Section (C) : Five Long<br>Questions (200 Words Each)  | 05 x 10 = 50 |
|  | Total  | 75           |

  
Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

**Part A : Introduction**

| Program : Certificate Course   |   | Class :  | शास्त्रिप्रथमवर्षम् | Year : 2021               | Session : 2021-2022 |
|--|---|--|---------------------|---------------------------|---------------------|
| 1.   | Course Code :<br>V1-SYAJIT  | Subject : शुक्लयजुर्वेदः   |                     |                           |                     |
| 2.   | Course Title  | वेददीपभाष्यं, याज्ञवल्क्यशिक्षा ग्रहशान्तिपद्धतिश्च  |                     |                           |                     |
| 3.   | Course Type<br>(Core/Elective/Generic<br>Elective/Vocational/...) | कोर 1 (प्रथमप्रश्नपत्रम्)  |                     |                           |                     |
| 4.   | Pre-requisite (If any)  | अस्मिन् पाठ्यक्रमे उत्तरमध्यमा/12 अथवा समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः प्रवेशार्हः।  |                     |                           |                     |
| 5.   | Course Learning<br>Outcomes (CLO)                                 | अध्ययनस्य लाभाः -<br>छात्रः प्रश्नपत्रस्याध्ययनानन्तरम् अधोलिखितयोग्यतां प्राप्स्यति - <ul style="list-style-type: none"><li>• वेदमन्त्रमुच्चारयितुं प्रभविष्यति।</li><li>• मन्त्रभाष्यमधीत्य तत्र विज्ञापितविषये ज्ञास्यति।</li><li>• मन्त्रोच्चारणप्रसंगस्य विधिं ज्ञास्यति।</li><li>• प्राथमिकपूजनप्रक्रियामधीत्य पूजनकर्मसम्पादयितुं क्षमः भविष्यति।</li><li>• सस्वरमन्त्रोच्चारणं कर्तुं प्रभविष्यति।</li><li>• मन्त्राणामुचितविनियोगं विज्ञाय सम्यक्तया अर्थं प्रतिपादयिष्यति।</li><li>• सामान्यरीत्या पूजनादिकर्मणि विधिं सम्पाद्य धनार्जनं कर्तुं प्रभविष्यति।</li></ul> |                     |                           |                     |
| 6.   | Credit Value  | 06   |                     |                           |                     |
| 7.   | Total Marks   | Max. Marks: 25+75  |                     | Min. Passing<br>Marks: 33 |                     |
| <b>Part B : Content of the Course</b>  |   |  |                     |                           |                     |
| Total numbers of Lectures (in hours per week): 3 hours per week<br>Total Lectures : 90 hours |   |  |                     |                           |                     |
| Unit   | Topics  |  |                     | Number of<br>Lectures     |                     |
| I  | सस्वरसवेददीपभाष्यशुक्लयजुर्वेदसंहितायाः प्रथमोऽध्यायः             |  |                     | 15                        |                     |
| II   | सस्वरसवेददीपभाष्यशुक्लयजुर्वेदसंहितायाः द्वितीयोऽध्यायः           |  |                     | 15                        |                     |
| III  | सस्वरसवेददीपभाष्यशुक्लयजुर्वेदसंहितायाः तृतीयोऽध्यायः             |  |                     | 15                        |                     |
| IV   | याज्ञवल्क्यशिक्षा(पूर्वार्द्धम्)                                  |  |                     | 15                        |                     |

|    |                                  |    |
|----|----------------------------------|----|
| V  | याज्ञवल्क्यशिक्षा(उत्तरार्द्धम्) | 15 |
| VI | ग्रहशान्तिपद्धतिप्रयोगः          | 15 |

### Part C : Learning Resources

#### Text Books, Reference Books, Other Resources

#### सन्दर्भ-ग्रन्थाः

1. शुक्लयजुर्वेदसंहिता, वेणीराम शर्मा गौड, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. शुक्लयजुर्वेदसंहिता, समहीधरभाष्यम्, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
3. ग्रहशान्तिपद्धति, वायुनन्दन मिश्र, मास्टर खेलाडीलाल प्रकाशन, वाराणसी
4. याज्ञवल्क्य शिक्षा, हरिराम मिश्र, विद्यानिधि प्रकाशन, नई दिल्ली
5. याज्ञवल्क्य शिक्षा, चौखम्बा संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी
6. पौरोहित्य कर्म प्रशिक्षक, सच्चिदानन्द पाठक, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

#### अन्तर्जालसंकेतः

1. <http://vedicheritage.gov.in/>

#### Suggested equivalent online courses:

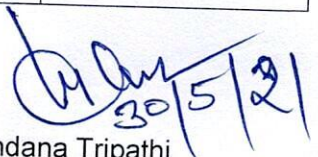
### Part D: Assessment and Evaluation (Theory)

Maximum Marks: 100  
 Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25  
 University Exam (UE): 75  
 Time : 03:00 Hours

|  |   |              |
|--|---|--------------|
| <b>Internal Assessment:</b><br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Class Test  | 15           |
|  | Assignment/Presentation                             | 10           |
|  | <b>Total</b>  | <b>25</b>    |
| <b>External Assessment:</b><br>University Exam                           | Section (A) : Five objective Questions              | 05 x 01 = 05 |
|  | Section (B) : Five Short Questions (100 Words Each) | 05x 04 = 20  |
|  | Section (C) : Five Long Questions (200 Words Each)  | 05 x 10 = 50 |
|  | <b>Total</b>  | <b>75</b>    |

Part A : Introduction

| Program : certificate course                                    | Class :   | शास्त्रिप्रथमवर्षम्<br>(बीए प्रथम वर्ष)  | Year : 2021 | Session : 2021-2022       |
|---|---|--|-------------|---------------------------|
| 1.  | Course Code   | Subject : न्यायशास्त्रम्<br>V1-NSHA1T  |             |                           |
| 2.  | Course Title  | न्यायशास्त्रद्वारम्  |             |                           |
| 3.  | Course Type<br>(Core/Elective/Generic<br>Elective/Vocational/...)     | कोर 1 (प्रथमप्रश्नपत्रम्)  |             |                           |
| 4.  | Pre-requisite (If any)  | अस्मिन् पाठ्यक्रमे उत्तरमध्यमा/12शी अथवा समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः प्रवेशार्हः   |             |                           |
| 5.  | Course Learning<br>Outcomes (CLO)                                     | <ul style="list-style-type: none"> <li>• न्यायवैशेषिकदर्शनस्य परिज्ञानम्।</li> <li>• शास्त्रीयपद्धत्या पदार्थविवेचनम्।</li> <li>• व्युत्पत्तिविकासः।</li> <li>• दर्शनशास्त्रस्य सामान्य -परिचयः।</li> <li>• शास्त्रावगमनस्य सामर्थ्यविकासः।</li> </ul> |             |                           |
| 6.  | Credit Value  | 06   |             |                           |
| 7.  | Total Marks   | Max. Marks: 25+75  |             | Min. Passing<br>Marks: 33 |
| Part B : Content of the Course                                  |   |  |             |                           |
| Total numbers of Lectures (in hours per week): 3 hours per week |   |  |             |                           |
| Total Lectures : 90 hours                                       |   |  |             |                           |
| Unit  | Topics  |  |             | Number of<br>Lectures     |
| I   | पदार्थसमुद्देशप्रकरणम्<br>(विद्याधरीव्याख्यायुतं तर्कसङ्ग्रहानुसारम्) |  |             | 15                        |

  
 Dr. Vandana Tripathi  
 Professor, Dept. of Sanskrit  
 Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

|     |  |    |
|-----|--|----|
| II  | गुणसमुद्देशप्रकरणम्<br>(विद्याधरीव्याख्यायुतं तर्कसङ्ग्रहानुसारम्)       | 15 |
| III | प्रत्यक्षानुमानप्रकरणे<br>(विद्याधरीव्याख्यायुतं तर्कसङ्ग्रहानुसारम्)    | 15 |
| IV  | उपमानप्रमाणम्<br>(विद्याधरीव्याख्यायुतं तर्कसङ्ग्रहानुसारम्)             | 15 |
| V   | शब्दप्रमाणम्<br>(विद्याधरीव्याख्यायुतं तर्कसङ्ग्रहानुसारम्)              | 15 |
| VI  | न्यायवैशेषिकदर्शनस्य विवेचनम्<br>(न्यायशास्त्रीयपारिभाषिकपदावलिचिन्तारः) | 15 |

**Part C : Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other Resources**

**Suggested Readings: (सन्दर्भग्रन्थाः)**

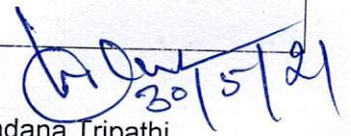
1. तर्कसंग्रहः - अन्नम्भट्टः - चौखम्भा-सुरभारती-सुरभारती, प्रकाशनम्, वाराणसी (उ.प्र.)
2. तर्कसंग्रहः दीपिकाव्याख्या -- अन्नम्भट्टः -मोतीलाल बनारसी दास वाराणसी (उ.प्र.)
3. विद्याधरी - श्रीदेवदत्त- पाटिलः - समर्थ मिडिया सेंटर, पुणे
4. न्यायकोशः - भीमाचार्यः- चौखम्भा-सुरभारती-सुरभारती, प्रकाशनम्, वाराणसी (उ.प्र.)
5. पारिभाषिकपदार्थसङ्ग्रहः - श्रीविजयशर्मा, भारतीय विद्याभवन, वाराणसी, (उ.प्र.)
6. न्यायशास्त्र का इतिहास -डॉ ब्रह्ममित्र अवस्थी - इन्दु - प्रकाशन, दिल्ली

**Suggested equivalent online courses:**

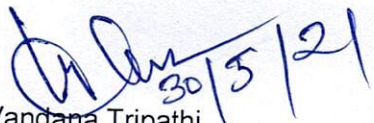
शास्त्री, प्रथम वर्ष, न्यायवैशेषिकविषयः

**Part D: Assessment and Evaluation (Theory)**

|  |             |
|--|-------------|
| Maximum Marks:                             | 100         |
| Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): | 25          |
| University Exam (UE):                      | 75          |
| Time :                                     | 03:00 Hours |

  
Dr. Vandana Tripathi  
Professor, Dept. of Sanskrit  
Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

|   |  |                     |
|---|--|---------------------|
| Internal Assessment:<br>Continuous<br>Comprehensive<br>Evaluation (CCE) | Class Test   | 15                  |
|   | Assignment/Presentation                                | 10                  |
|   | Total  | 25                  |
| External Assessment:<br>University Exam                                 | Section (A) : Five objective<br>Questions              | $05 \times 01 = 05$ |
|   | Section (B) : Five Short<br>Questions (100 Words Each) | $05 \times 04 = 20$ |
|   | Section (C) : Five Long<br>Questions (200 Words Each)  | $05 \times 10 = 50$ |
|   | Total  | 75                  |

  
 Dr. Vandana Tripathi  
 Professor, Dept. of Sanskrit  
 Govt. Girls P.G. College, Ujjain, M.P.

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

| भाग अ - परिचय  |   |   |                          |
|--|---|---|--------------------------|
| कार्यक्रम: प्रमाण पत्र   | कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष  | वर्ष: 2021  | सत्र: 2021-22            |
| विषय: संस्कृत  |   |   |                          |
| 1  | पाठ्यक्रम का कोड  | A1-SANS2G   |                          |
| 2  | पाठ्यक्रम का शीर्षक   | कर्मकाण्ड विधान (प्रश्न पत्र 2)   |                          |
| 3  | पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)   | इलेक्टिव  |                          |
| 4  | पूर्वपेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)   | इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय ..... अध्ययन कक्षा/12वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो। ..... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है:- सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)   |                          |
| 5  | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)   | <ol style="list-style-type: none"> <li>1. आत्म कल्याण एवं समाज कल्याण तथा जीविकोपार्जन में सहायक।</li> <li>2. कर्मकाण्ड विधान के शास्त्रीय और वैज्ञानिक आधार से अवगत कराना।</li> <li>3. भारतीय धर्म और संस्कृति में सहायक।</li> <li>4. पौरोहित्य कर्म के लिये योग्य पुरोहितों का निर्माण करना।</li> <li>5. सामाजिक समरसता में सहायक कर्मकाण्ड एवं यज्ञानुष्ठान के माध्यम से विभिन्न देवी देवताओं के स्वरूप ओर महिमा से छात्रों को अवगत कराना।</li> <li>6. पौराणिक आख्यानों के माध्यम से देवप्रतिमा स्वरूप का ज्ञान कराना</li> <li>7. धार्मिक अनुष्ठान हेतु छात्रों को निष्णात करना।</li> <li>8. पौरोहित्य कर्म प्रशिक्षण केन्द्र स्थापना की प्रेरणा।</li> <li>9. छात्रों को आत्मनिर्भर बनने में सहायक।</li> </ol> |                          |
| 6  | क्रेडिट मान   | 04  |                          |
| 7  | कुल अंक   | अधिकतम अंक: 25+75   | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 |
| भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु  |   |   |                          |
| व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 02 |   |   |                          |
| इकाई   | विषय  | व्याख्यान की संख्या   |                          |
| I  | (अ) कर्मकाण्ड परिचय- कर्मकाण्ड का परिचय तथा महत्व एवं शास्त्रीय व वैज्ञानिक आधार, पंचांग परिचय<br>(ब) पूजन विधि- स्वस्ति वाचन एवं गणेश अम्बिका पूजन | 12  |                          |
| II   | पूजन प्रकार-प्रतिज्ञा संकल्प, षोडशोपचार पूजन  | 12  |                          |
| III  | विविध मण्डल-नवग्रह मातृका, क्षेत्रपाल, योगिनी आदि विविध मण्डल का निर्माण व पूजन   | 12  |                          |
| IV   | देव स्थापना-नान्दी श्राद्ध और ग्रहवास्तुपूजन, देवप्रतिष्ठा  | 12  |                          |

*Dr. J. K. B. Pandey*  
25-21

|   |  |    |
|---|--|----|
| V | पूजन एवं पाठ विधि-सत्यनारायण कथा विधि और पूजन, दीपावली पूजन, दुर्गासप्तशती पाठ विधि, मूलनक्षत्र शांति, और भूमि पूजन, महामृत्युंजय अनुष्ठान विधि, नवग्रहशांति पूजन, धार्मिक ग्रंथ प्रवचन कला। | 12 |
|---|--|----|

सार बिंदु (की वर्ड)/टिग: कर्मकाण्ड, स्वस्तिवाचन, मण्डल, आत्मनिर्भर, प्राणप्रतिष्ठा

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्य पुस्तक पौरोहित्य कर्म प्रशिक्षक- संपादक पाठक डा. सच्चिदानंद, प्रकाशक-उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. खेमका राधेश्याम, "संस्कार प्रकाश"- गीताप्रेस गोरखपुर 2018
  2. गौड़ पं. अशोक कुमार, "सर्वदेव प्रतिष्ठा महोदधि", चौखंभा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 2014
  3. मिश्र श्रीराम भवन एवं श्री लाल बिहारी जी, "नित्यकर्म पूजा प्रकाश"- सम्पादक-गीताप्रेस गोरखपुर 1998
  4. शास्त्री पं. श्री रामनारायण दत्त जी, "दुर्गासप्तशती"-गीताप्रेस गोरखपुर।
  5. दवे कैलाश चंद्र, "स्मार्त यज्ञदीपिका"- चौखंभा संस्कृत संस्थान वाराणसी 2013
  6. पंचानन माधवाचार्य शास्त्री, "धर्म दिग्दर्शन (क्यों)"- प्रकाशक- श्रीधाम माधवविद्या भवन पुरानी गुप्ता कालोनी दिल्ली 1999
  7. गौड़ वैष्णोराम शर्मा, "ग्रहशांति पद्धति", श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार वाराणसी 2000
  8. गोयंदका जयप्रकाश जी, "सत्यनारायण व्रतकथा"-प्रकाशक- गीता प्रेस गोरखपुर 2003
  9. त्रिपाठी रामदास, "पौरोहित्यकर्मपद्धति", मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी 2012-13
  10. पाठक डा. सच्चिदानंद, "पौरोहित्य कर्म प्रशिक्षक", प्रकाशक उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
  11. पाण्डेय डा. राजबली, "हिन्दू संस्कार"- चौखंभा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 1980
- अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक- ई-सोर्सस, ईपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, [swayam.gov.in](http://swayam.gov.in)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:- शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalaya, Kota

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:


अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

|                             |   |              |
|-----------------------------|---|--------------|
| आंतरिक मूल्यांकन:           | क्लास टेस्ट   | 15           |
| सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): | असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)                   | 10           |
|                             |   | कुल अंक :25  |
| आकलन :                      | अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)       | 03 x 03 = 09 |
| विश्वविद्यालयीन परीक्षा:    | अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)           | 04 x 09 = 36 |
| समय- 02.00 घंटे             | अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द) | 02 x 15 = 30 |
|                             |   | कुल अंक 75   |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

  
 Prof. K. B. Panda  
 29.5.21